Class 12th Session 2023-24 **MARKING SCHEME** **SET A**

ECONOMICS (576)

Time: 3Hrs Sample Paper M.M:80

Q.No.	Expected Answer/Value Points		Marks
		Section: A (Micro Economics)	
1	(b) आदर्शात्मक विज्ञान	(b)Normative Science	1
2	(b) मुल बिन्दु की ओर नतोदर	(b)Concave to point of origin	1
3	(d) उपरोक्त सभी	(d)All of the above	1
4	(d) स्थाई पूंजी पर ब्याज	(d)Interest on fixed capital	1
5	(c) MR=ΔTR/ΔQ	(c)MR=ΔTR/ΔQ	1
6	मार्शल	Marshal	1
7	एक से अधिक	More than one	1
8	औसत आय = सीमांत आय	AR=MR	1
9	(a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनो सही है और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	Both Assertion(A) and Reason(R) are true and Reas (R) is the correct explanation Assertion(A)	1
10	(a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनो सही है और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	(Both Assertion(A) and Reason(R) are true and Reas (R) is not the correct explanation Assertion(A)	1
11	पैमाने के समान प्रतिफल,उत्पादन की उस स्थिति को प्रकट करता है, जिसमें यदि कारकों को निश्चित अनुपात में बढाया जाएगा तो उत्पादन में उसी अनुपात में वृद्धि होगी। **अथवा** उत्पादन फलनः भौतिक आगतों तथा भौतिक उत्पादन के बीच कार्यात्मक संबंध का अध्ययन करता है। इसमें केवल भौतिक आगतों तथा उत्पादन को ध्यान में रखा जाता है। उनके बाजार मुल्य को नही।	Equal returns to scale reveal the state of production in which if the factors are increased in a certain proportion then the output will increase in the same proportion. **OR** Production Function: Studies the functional relationship between material inputs and material output. In this only material inputs and production are taken into account. Not their market value.	1+2 3
12	उत्पादन गैर मुल्य प्रतिस्पर्घा एक ऐसी रणनीति है जिसका तात्पर्य कम कीमत के बजाय बेहतर माल की गुणवता और उत्कृष्ट सेवा प्रदान करके ग्राहको को आकर्षित करना और बिक्री बढाना है।	Non-price competion is a strategy that implies attracting customers and increasing sales by providing superior goods quality and excellent service rather than low price.	3
13	मांग की कीमत लोच कीमत में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन तथा मांग में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन का अनुपात है। इसे प्रभावित करने वाले घटक हैः- वस्तु की प्रकृति, उपभोक्ता की आय और कीमत स्तर **अथवा** मांग का अर्थ वस्तु को खरीदने की इच्छा, उसे संतुष्ट करने के लिए पर्याप्त धन तथा धन को खर्च करने की तत्परता है। इसे प्रभावित करने करने वाले घटक इस प्रकार है: वस्तु की कीमत, उपभोक्ता की आय, जनसंख्या	Price elasticity of demand is the ratio of the percentage change in price to the percentage change in demand. The factors affecting it are:- Nature of the product, consumer's income and price level. **OR** Demand means the desire to purchase a product, sufficient money to satisfy it, and readiness to spend the money. The factors affecting it are as follows:- price of goods, consumer income, population	2+2
14	पुर्ण प्रतियोगी बाजार की फर्म उस बिन्दु पर अपना	The firm in a perfectly competitive market	4

उत्पादन निर्धारित करती है जहां सीमांत लागत और सीमांत आय आपस में बराबर हो, तथा सीमांत लागत वक्र नीचे से ऊपर की ओर उठता हुआ हो, क्योकि फर्म यहां कीमत ग्राही होती है इसलिए वह कीमत स्वीकार करती है जो उधोग में बाजार शक्तियों द्धारा निर्धाति होती है।

determines its production at the point where marginal cost and marginal revenue are equal to each other, and the marginal cost curve is rising from bottom to top, because the firm is a price taker here, hence it accepts the price. Which is determined by market forces in the industry.

---

15 — 2+2

आर्थिक समस्या का संबधं्ा संसाधनों के बटवारे से है जिसकी उत्पति सीमित साधनों तथा असीमित आवश्यकताओं के कारण होती है।
आर्थिक समस्या इसलिए उत्पन्न होती है क्योकि आवश्यकताओं की तुलना में संसाधन सीमित होते है और इन संसाधनों के वैकल्पिक उपयोग होते है।

Economic problem is related to the distribution of resources which arises due to limited resources and unlimited needs.
Economic problems arise because resources are limited compared to needs and these resources have alternative uses.

---

16 — 2+2+2

उत्पादन सम्भावना वक्र वह वक्र है जो दिए हुए साधनों तथा तकनीकों में दो वस्तुआंे के उत्पादनों की वैकल्पिक सम्भावनाओं को प्रकट करता है।

वस्तु	उत्पादन सम्भावना			
	A	B	C	D
गेंहू	0	2	4	6
कपडा	12	10	6	0

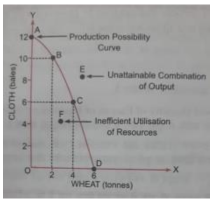

अथवा

तटस्थता वक्र वह वक्र है जो दो वस्तुओं के सेट के विभिन्न संयोगो को प्रकट करता है। प्रत्येक संयोग उपभोक्ता को संतुष्टि का समान स्तर प्रदान करता है।
इसकी विशेषताएंः- तटस्थता वक्र ऋणात्मक ढाल वाली होती है । यह वक्र मुल बिन्दु की ओर उन्नतोदर होती है। यह वक्र कभी भी एक दुसरे को छुती नही है। ऊची तटस्थता वक्र संतुष्टि के ऊचे स्तर को बतलाती है। यह न तो x-अक्ष को और न y-अक्ष को छुती है।

Production possibility curve is a curve which reveals alternative possibilities of production of two goods with given resources and techniques.

वस्तु	उत्पादन सम्भावना			
	A	B	C	D
गेंहू	0	2	4	6
कपडा	12	10	6	0

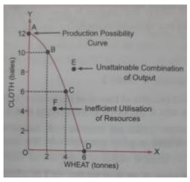

OR — 1+5

Indifference curve is a curve which reveals different combinations of sets of two goods. Each combination provides the same level of satisfaction to the consumer.
Its characteristics:- Indifference curve has negative slope. This curve is upward towards the origin. These curves never touch each other. A higher indifference curve indicates higher level of satisfaction. It neither touches the x-axis nor the y-axis.

---

17 — 3+1+1+1

उत्पादन वह प्रक्रिया है जिसके द्धारा आगतों को निर्गतों में परिवर्तित किया जाता है। उत्पादन फर्मो द्धारा किया जाता है। उत्पादन को अल्पकाल और दीर्घकाल के सन्दर्भ में परिभाषित किया जा सकता है। इसकी तीन अवस्थाएं दर्शाई गई है।
प्रथम अवस्था बढते प्रतिफल की है जब परिवर्ति साधन का सीमांत उत्पाद बढ रहा होता है।
दुसरी अवस्था घटते प्रतिफल की है जब परिवर्ति साधन का सीमांत उत्पाद घट रहा होता है।

तीसरी अवस्था ऋणात्मक प्रतिफल की है जब परिवर्ति साधन का सीमांत उत्पाद ऋणात्मक होता है। उत्पादक केवल दुसरी अवस्था में ही उत्पादन करना

Production is the process by which inputs are converted into outputs. Production is done by firms. Production can be defined in terms of short term and long term and its three stages are shown.
The first stage is of increasing returns when the marginal product of the variable factor is increasing.
The second stage is of diminishing returns when the marginal product of the variable factor is decreasing.
The third stage is of negative returns when the marginal product of the variable factor is negative.

The producer would like to produce only in the second stage.

	चाहेगा। **अथवा** पुर्ति वस्तुओ की वह मात्रा है जो एक बाजार में किसी निश्चित समय पर विभिन्न कीमतों पर बिक्री के लिए प्रस्तुत की जाती है। अन्य बाते समान रहने पर जब किसी वस्तु की अपनी कीमत बढने के कारण उसकी पुर्ति अधिक हो जाती है तो इस बढी हुई पुर्ति को पुर्ति का विस्तार कहा जाता है। 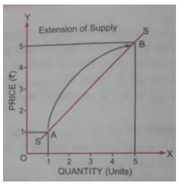 वस्तु की अपनी कीमत समान रहने पर यदि किसी वस्तु की पुर्ति बढ जाती है अथवा अपनी कीमत कम होने पर पूर्ति समान रहती है तो इस परिवर्तन को पूर्ति में वृद्धि कहा जाता है। 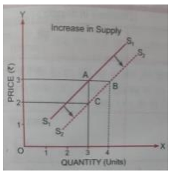	**OR** Supply is the quantity of goods that are offered for sale in a market at different prices at a given time. Other things remaining the same, when the supply of a commodity increases due to increase in its price, this increased supply is called expansion of supply. 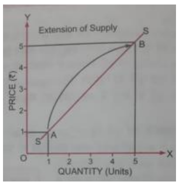 If the supply of a commodity increases when its price remains the same or the supply remains the same when its price decreases, then this change is called increase in supply. 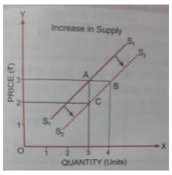	2+2+ 2
18	(a) सम्पुर्ण अर्थव्यवस्था	(a) of whole economy	1
19	(b)भारत सरकार	(b) Govt of india	1
20	(b) ΔC/ΔY	(b) ΔC/ΔY	1
21	(b) आय कर पर सरचार्ज	(d) surcharge on income tax	1
22	(a) विपरित	(a) opposite	1
23	मांग जमा में ऋण	loans in demand deposit	1
24	विदेशों से शुद्ध साधन आय	net factor income from abroad	1
25	राजस्व	Revenue	1
26	(a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनो सही है और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	(a) Both Assertion(A) and Reason(R) are true and Reason (R) is the correct explanation Assertion(A)	1
27	(a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनो सही है और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	(a) Both Assertion(A) and Reason(R) are true and Reason (R) is the correct explanation Assertion(A)	1
28	उत्पाद विधि द्वारा राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाने के संबंध में दोहरी गणना की समस्या उत्पन्न हो सकती हे। दोहरी गणना से अभिप्राय किसी वस्तु के मुल्य की गणना एक से अधिक बार होना है। इस समस्या से बचने के लिए विभिन्न फर्मो के उत्पादन को जोडे बिना, मुल्य वृद्धि को जोड कर इससे बचा जा सकता है।	The problem of double counting may arise in relation to estimating national income by product method. Double counting means calculating the price of an item more than once. To avoid this problem, it can be avoided by adding the price rise without adding the production of different firms. **OR**	1+2 3

	अथवा खुले बाजार की क्रियाओं से अभिप्राय केन्द्रीय बैंक द्वारा प्रतिभुतियों की खुले बाजार में बेचना तथा खरीदना हैं। प्रतिभुतियों को बेचने से केन्द्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मौजुद नकद कोषो को अपनी ओर खीच लेता है। ये नकद शेष, उच्च बलयुक्त मुद्रा होती है जिसके आधार पर व्यापारिक बैंक साख का निर्माण करते है।	Open market operations mean buying and selling of securities in the open market by the Central Bank. By selling securities, the central bank withdraws the cash funds present in the economy. These cash balances are high-value currency on the basis of which commercial banks create credit.	
29	समग्र पूर्ति समग्र मांग के बराबर होती है। 'से' का बाजार नियम प्रो. से. ने द्वारा दिया गया था, जिसके अनुसार 'पूर्ति स्वयं अपनी मांग का निर्माण करती है।' अतः अर्थव्यवस्था में समग्र पूर्ति का समग्र मांग के बराबर होना अनिवार्य है।	Aggregate supply equals to aggregate demand. Market Rule of 'Say' , was given by prof. "Say". According to him, 'Supply itself creates its own demand'. Therefore, it is mandatory for the aggregate supply in the economy to be equal to the aggregate demand.	3
30	भुगतान शेष को संबंध किसी देश के शेष विश्व के साथ हुए सभी आर्थिक लेन-देन के लेखांकन के रिकार्ड से है। प्रत्येक देश विश्व के अन्य देशों के साथ आर्थिक लेन-देन करता है। इस लेन-देन के फलस्वरुप, उसे अन्य देशों से प्राप्तियां होती है तथा उसे अन्य देशो को भुगतान भी करने पडते है। भुगतान शेष इन्ही प्राप्तियों एवं भुगतानों का विवरण होता है। इसकी तीन मदें निम्नलिखित है- 1. दृश्य मदें 2. अदृश्य मदें 3. पुंजी अंतरण **अथवा** अधि मांग वह स्थिति है जिसमें समग्र मांग पूर्ण रोजगार के लिए आवश्यक समग्र पूर्ति से अधिक होती है। अधि मांग के फलस्वरुप अर्थव्यवस्था में मुद्रा-स्फीति या कीमतों में वृद्धि की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसे नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित उपाय अपनाए जाते है:- 1. करो में वृद्धि करके 2. सार्वजिनक व्यय में कमी करके	The balance of payments refers to the accounting record of all economic transactions of a country with the rest of the world. Every country makes economic transactions with other countries of the world. As a result of this transaction, it receives receipts from other countries and also has to make payments to other countries. The balance of payments is the details of these receipts and payments. Its three items are as follows- 1. Visible items 2. Invisible items 3. Capital transfer **OR** Excess demand is a situation in which aggregate demand exceeds the aggregate supply required for full employment. As a result of excess demand, a situation of inflation or increase in prices arises in the economy. To control it, the following measures are adopted:- 1. By increasing taxes 2. By reducing public expenditure	2+2 1+1+2
31	बैंक दर ब्याज की वह न्युनतम दर है जिस पर देश का केन्द्रीय बैंक अंतिम ऋणदाता होने के कारण वाणिज्यिक बैंको को ऋण देने के लिए तैयार होता है। बैंक दर बढने से ब्याज दर बढती है तथा ऋण मंहगा होता है। इसके फलस्वरुप साख की मांग कम हो जाती है। इसके विपरीत, बैंक दर कम करने पर व्यापारिक बैंको द्वारा अपने उधारकर्ताओं से लिए जाने वाले ब्याज की बाजार दर कम हो जाती है। अर्थात साख सस्ती हो जाती है। मुद्रा-स्फीति के समय	Bank rate is the minimum rate of interest at which the central bank of the country, being the lender of last resort, is ready to give loans to commercial banks. Due to increase in bank rate, interest rate increases and loan becomes expensive. As a result the demand for credit reduces. On the contrary, reducing the bank rate reduces the market rate of interest charged by commercial banks from their borrowers. That means credit becomes cheap. At the time of inflation, the central bank adopts	4

<table>
<tr><td></td><td>केन्द्रिय बैंक मंहगी साख नीति अपनाता है तथा अवस्फीति की स्थिति में सस्ती साख नीति अपनाता है।</td><td>expensive credit policy and in case of deflation, it adopts cheap credit policy.</td><td></td></tr>
<tr><td>32</td><td>स्टाकः- यह समय के एक निश्चित बिन्दु पर मापी जाने वाली मात्रा है। मान लिजिए आपके बैंक खाते में 1 जनवरी 2016 को 1000 रु हो सकते है। 10 जनवरी 2016 को आपके खाते में 5000 रु हो सकते है। इन सभी मात्राओं को स्टाक कहा जाता है। पूंजी तथा मुद्रा का परिमाण स्टाक के उल्लेखनीय उदारण है।
प्रवाहः- यह समय की एक विशिष्ट अवधि में मापी जाने वाली मात्रा है। आप शायद 150 रु प्रतिमाह जेब खर्च प्राप्त करते है, आप शायद 5 रु प्रतिदिन कैंटिन में खर्च करते है। ये सब मात्राएं 'प्रवाह' कहलाती हैं। आय, व्यय, उत्पादन तथा ब्याज भी प्रवाह के महत्वपूर्ण उदाहरण है।</td><td>Stock:- It is a quantity measured at a certain point of time. Suppose you have Rs 1000 in your bank account on January 1, 2016. It is possible. Rs 5000 credited to your account on 10 January 2016. It is possible. All these quantities are called stock. The quantity of capital and money are notable examples of stocks.
Flow:- It is a quantity measured over a specific period of time. You can probably spend Rs 150. You get pocket money per month, maybe Rs 5. Spends every day in the canteen. All these quantities called 'flow'. Income, expenditure, production and interest are also important examples of flow.</td><td>2+2</td></tr>
<tr><td>33</td><td>आय के चक्रीय प्रवाह के दो क्षेत्रीय मॉडल में अर्थव्यवस्था के दो क्षेत्रों अर्थात 1 घरेलु क्षेत्र 2 उत्पादक क्षेत्र के मध्य होने वाले चक्रीय प्रवाह का अध्ययन किया जाता है।
मान्यताएंः- 1. अर्थव्यवस्था में केवल दो ही क्षेत्र होते है। 2. सरकार का आर्थिक क्रियाओं पर कोई प्रभाव नही होता है। 3. अर्थव्यवस्था एक बंद अर्थव्यवस्था है।
4. घरेलु क्षेत्र अपनी सारी आय वस्तुओं एवं सेवाओं पर व्यय करते है अर्थात बचत नही करते है।
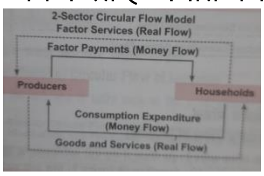

यहां बाहर का चक्र वास्तविक प्रवाह को प्रकट कर रहा है तथा अंदर का चक्र मौद्रिक प्रवाह को प्रकट कर रहा है।

अथवा

राष्ट्रीय आय = प्रयोज्य आय $ निगम कर $ अवितरित लाभ $ व्यक्तिगत प्रत्यक्ष कर –हंस्तारण भुगतान

राष्ट्रीय आय = 9000+800+150+100-50 = 10000 रु.</td><td>In the two sector model of circular flow of income, the circular flow between two sectors of the economy i.e. 1. Domestic sector 2. Productive sector is studied.
Assumptions:- 1. There are only two sectors in the economy.
2. Government has no influence on economic activities. 3. The economy is a closed economy.
4. Household sector spends all its income on goods and services i.e. does not save.
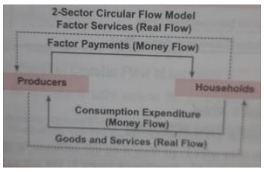

Here the outer circle is revealing the real flow and the inner circle is revealing the monetary flow.

OR

National Income = Disposable Income + Corporation Tax + Undistributed Profit + Personal Direct Taxes - Transfer Payments

National Income = 9000+800+150+100-50 =</td><td>2+2+2

6</td></tr>
</table>

		Rs 10000.	
34	**आय विधि** वह विधि है जो एक लेखा वर्ष में उत्पादन के प्राथमिक कारकों को उनकी उत्पादक सेवाओं के बदले में दिए गए भुगतानों की गणना करके राष्ट्रीय आय का माप करती है। इस विधि द्वारा राष्ट्रीय आय की गणना करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाये जाते है:- पहला कदमः उत्पादक उद्यमों की पहचान तथा वर्गीकरण दुसरा कदमः कारक आय का अर्थ तथा वर्गीकरण तीसरा कदमः कारक आय का अनुमान 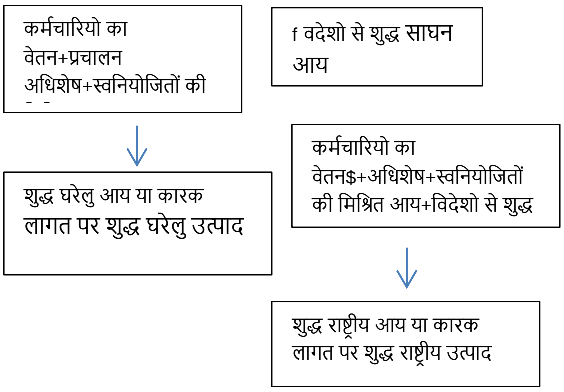 **अथवा** मुद्रा कोई भी वस्तु हो सकती है जिसे विनिमय के माध्यम तथा मूल्य के मापदण्ड तथा संचय के रुप में सामान्यतः उपयोग किया जा सकता है तथा साधारणतया स्वीकार किया जाता है। इसके मुख्य कार्य इस प्रकार हे:- मुद्रा के प्राथमिक कार्यो में मुख्यतः विनिमय का माध्यम एवं मूल्य का मापदण्ड आते है। मुद्रा के गौण अथवा सहायक कार्यो में मुख्यतः स्थगित भुगतानों का मान, मूल्य का संचय एवं मूल्य का हस्तांतरण आते हे।	Income method is the method which measures national income by calculating the payments made to primary factors of production in return for their productive services in an accounting year. By this method the following steps are taken to calculate national income:- **First Step** : Identification and classification of productive enterprises **Second step**: Meaning and classification of factor income **Third Step**: Estimate Factor Income **OR** Money can be any thing which can be commonly used and generally accepted as a medium of exchange and as a measure and store of value. Its main functions are as follows:- The primary functions of money are mainly medium exchange and standard of value. The secondary or auxiliary functions of money mainly include value of deferred payments, accumulation of value and transfer of value.	3+3 3+3